आज का पुरुषार्थ 14 August 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज अपने पार्ट को और ड्रामा के इस खेल को साक्षी होकर देखे .. यही आज का पुरुषार्थ है "*

अपने स्थिति को महान निरसंकल्प अचल अडोल बनाने के लिए साक्षी भाव में स्थित रहना परम आवश्यक है। आने वाला समय बहुत ही खतरनाक होगा।

हम ऐसा कह सकते है ऐसे ऐसे scene सामने आयेंगे जिनको देखा नहीं जा सकता। जिनको देखना बहुत कठिन काम होगा।

कुछ अच्छे सीन भी आयेंगे, जयजयकार भी होंगी। बाबा का नाम सारे संसार में रोशन होगा। सब दिल से कहेंगे ... ' **मेरा बाबा** '

और उन्हें मुक्ति का वरदान प्राप्त होगा। क्योंकि उन्होंने शिवबाबा को अपना बाप स्वीकार किया होगा।

तो हम सभी आने वाले समय को फेस करने के लिए साक्षी भाव में स्थित होने का **अभ्यास** करे।

याद करे, जैसे **बाबा ने कहा** → " *मैं उपर बैठकर इस सारे संसार के खेल को साक्षी होकर देखता हूँ .. कुछ भी सोचता नहीं हूँ*"

यह कलियुग का अंत चल रहा है। यहाँ बूरा ही बूरा है। यह दुनिया कांटो का जंगल है। यहाँ सभी एक दुसरे को दुःख दे रहे है। राक्षसी प्रवृत्तियाँ सभी के अंदर जागृत हो गई है।

" साक्षी होकर बाबा उपर से यह खेल को देखता रहता है "

अब जो हो रहा है यह वही है जो कल्प कल्प होते आये है, नाथिंग न्यूं .. यह जागरूकता उन्हें नेचुरल रूप से रहती है।

हम भी ऐसा ही साक्षी भाव अपने जीवन में धारण करे। इस ड्रामा की कम से कम दस प्वाइंट अपने पास निकाल ले। जिनको याद करके अपने चित को निरसंकल्प करे।

क्योंकि जो मनुष्य अपने चित को शान्त कर ले उसके sub-conscious mind में भरी हुई देवयुग की सारी **योग्यतायें**, **विशेषतायें**, **पवित्रता** emerge होने लगेंगी।

और निरसंकल्प होने से योग हो जायेगा बहुत **पावरफूल।** तो जो unconscious mind में गंदगी भरी हुई है **आत्मा में जो विकारों का और विकर्मो का लेप छेप आ गया है वह नष्ट हो जायेगा**। यह योग तब अग्नि बन जायेगी।

तो हम साक्षी भाव धारण करेंगे। यह संसार को देखो, कितना सुन्दर चल रहा है। हर एक आत्मा अपना अपना निश्चित पार्ट बजा रही है।

कोई सफल, कोई असफल, कोई सुखी, कोई दुःखी, कोई रो रहा है, कोई हंस रहा है, कोई परेशान है, कोई आनन्दित है ... यह उन सबके **कर्मो का खेल है**।

याद करे, जो कुछ हो रहा है वही सत्य है। कर्म के अनुसार हर आत्मा को पार्ट मिला है। अपनी **शक्ति** और **योग्यता** के अनुसार हर आत्मा को पार्ट मिला है।

यह पार्ट बाबा ने distribute नहीं किया। यह हर आत्मा अपने क्षमताओं के अनुसार अपने **योग्यता**, **प्युरीटी**, **गुण**, **कर्म** इन सबके अनुसार स्वयं अपना पार्ट निश्चित किया।

तो सब अपने अपने पार्ट बजा रहे है। सब निर्दोष है। सभी अपना अपना सुन्दर भाग्य लेकर चल रहे है। और **जैसे कर्म जिसने किये है**, वैसा ही भाग्य उसे प्राप्त हो गया है।

भाग्य भी कहीं किसी ने लिखा नहीं। किसी ने कहीं निर्माण नहीं किया। मनुष्य स्वयं अपने **भाग्य का निर्माता है।** साक्षी हो जाये।

अपने परिवार बच्चे, उन सबके पार्ट भी साक्षी होकर देखे। उनके भाग्य को साक्षी होकर देखे। किसी का कैसा, किसी का कैसा।

जो हो गया पूरा हो गया, जो होगा वह निश्चित है। उसके लिए बहुत चिन्तित होने की जरूरत नहीं। केवल पुरुषार्थ की चिन्ता करे ...

" मैं हीरों एक्टर हूँ .. मुझे सर्वश्रेष्ठ पार्ट बजाना है "

... और साक्षी होकर अपने पार्ट को भी देखें।

तो आज के दिन **साक्षी** होकर इस संसार को देखेंगे और अभ्यास करेंगे →

" यह चौरासी का पूरा हो रहा है .. जो कुछ अब दिखता है वह सब समाप्त हो जायेगा .. और मैं आत्मा .. यह सबकुछ छोड़कर उड़ जाऊँगी अपने धाम .. लेकिन मैं भरपूर होकर जाऊँगी "

तो चले परमधाम में .. अपने को जाता हुआ देखे .. और टच कर दे बाबा को .. और उनके साथ बैठ जाये ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org